नाम : राजेन्द्र कुमार
स्थाई पता : गॉव व डाकघर–निहालगढ़,
तहसील व जिला–चरखी दादरी,
पिन–127312
मोबाईल–9416129081, 8527638639
ईमेल–rkherbla@gmail.com, gvm_sankalp@yahoo.co.in
शिक्षा : एम.ए. राजनीति शास्त्र

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकः–

राजेन्द्र कुमार ने 1973 में सत्रह वर्ष की आयु में राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक के रूप में समाज सेवा के क्षेत्र में प्रथम कदम रखा । 1973 से 1977 तक **गन्दगी और बिमारी** के विरूद्व युवा, **निरक्षरता के विरूद्व युवा** तथा **सुखा और अकाल के विरूद्व अभियान** में सक्रिय भागीदारी के कारण राजकीय महाविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में निरंतर चार साल तक कॉलेज कलर प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

राष्ट्रीय सेवाकर्मी नेहरू युवा केन्द्र

राजेन्द्र कुमार ने महाविद्यालय शिक्षा के पश्चात् 1978 से 1980 तक नेहरू युवा केन्द्र गुड़गॉव में बतौर राष्ट्रीय सेवाकर्मी कार्य किया । इस अवधि में नवम्बर से दिसम्बर, 1978 तक समाज कार्य अनुसंधान केन्द्र तिलोनिया राजस्थान में एक माह के प्रशिक्षण के उपरांत गुड़गॉव जिला के फरूखनगर खण्ड में राष्ट्रीय सेवाकर्मी के रूप में 26 गॉवों में युवा कल्याण एवं सामाजिक कार्यों के लिए ग्रामीण युवा क्लबों का गठन कर गॉव में रचनात्मक अभियान चलाने के लिए प्रेरित व प्रशिक्षित किया ।

गॉव निहालगढ़ में युवा क्लब का गठन

1980 में नेहरू केन्द्र गुड़गॉव में दो वर्ष के काम के उपरांत अपने गॉव में युवाओं को एकत्रित कर ग्रामीण विकास मण्डल नामक युवा संगठन खड़ा किया । अपने गॉव में युवा क्लब के माध्यम से सफाई अभियान, पौद्यारोपण, खेल प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक कुरूतियों के विरूद्व विभिन्न गॉवों में नुक्कड नाटक, गॉव में स्कूल,

पंचायत भवन तथा क्लब कार्यालय भवन निर्माण में युवाओं द्वारा श्रमदान प्रारम्भिक कार्य रहे । वर्ष 1985 में गॉव निहालगढ़ की स्थापना के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भव्य आयोजन किया गया । इस दौरान इन्होंने 1984 से 1996 तक देश भर में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित 44 राष्ट्रीय एकता एवं युवा शिविरों में भाग लिया ।

अपने गॉव क्लब की गतिविधियों को प्रदेश भर में फैलाने के उद्देश्य से 1985 से 1990 तक हरियाणा के सभी जिलों से 400 ग्रामीण युवाओं को आमन्त्रित कर सात साप्ताहिक युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया । अधिकांश प्रशिक्षित नौजवान अपने क्षेत्रों में आज भी सामाजिक रूप से सक्रिय हैं ।

परिवर्तन के निमित अभियानों में भागेदारी

1980 में इलाहबाद में विश्व संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में एक राष्ट्रीय शिविर में भाग लेने आये देशभर के दो सौ युवाओं ने व्यवस्था में बदलाव के उद्देश्य से राष्ट्रीय युवा परिषद् का गठन किया जिसमें राजेन्द्र कुमार को हरियाणा में परिषद् की गतिविधियाँ बढ़ाने का दायित्व सौंपा गया । 1987 तक युवाओं की इस टीम ने देश के अनेक भागों में जनजागरण यात्रा, सम्मेलनों के माध्यम से युवावर्ग को संगठित व प्रेरित करने का बेहतर कार्य किया ।

1987 में नेहरू युवा केन्द्र संगठन के तत्कालीन महानिदेशक अखिल बख्शी के नेतृत्व में इस अभियान को आगे बढ़ाने के मकसद से युवा शक्ति संगठन खड़ा किया। राजेन्द्र कुमार ने युवा शक्ति के रचनात्मक अभियान को गति देने में अहम भूमिका निभाई।

1990 में राजेन्द्र कुमार प्रसिद्ध गाँधीवादी सन्त एवं स्वतंत्रता सेनानी डॉ0 एस.एन. सुब्बाराव के युवा निर्माण अभियान में शामिल हुए । इन्हें हरियाणा इकाई का दायित्व सौंपा गया । इस दौरान देशभर में राष्ट्रीय सद्भावना एवं श्रम संस्कार शिविरों के माध्यम से युवा पीढ़ी को देश और समाज निर्माण में शामिल होने के उद्देश्य से हरियाणा से बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया । 12 से 14 दिसम्बर 1997 तक कर्नाटक के श्री आदि चुनचुन गिरी मठ में राष्ट्रीय युवा सम्मलेन का आयोजन किया गया जिसमें देश के 25 प्रान्तों से आये एक हजार युवाओं ने डॉ0 एस.एन. सुब्बाराव के नेतृत्व में भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया ।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त से सेवानिवृति उपरांत श्री टी.एन. शेषन ने देशभक्त आन्दोलन चलाने का निर्णय लिया । हरियाणा में इस आन्दोलन का संचालन का दायित्व राजेन्द्र कुमार को सौंपा गया । एक वर्ष तक प्रदेश भर में टी.एन. शेषन के साथ प्रदेश के महाविद्यालयों में युवावर्ग से संवाद के लिए कार्यक्रमों का सिलसिला चला । लेकिन 1999 में लोकसभा चुनाव में श्री टी.एन. शेषन के गांधीनगर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव में नामांकन के बाद सैद्वान्तिक–मतभेद के कारण राजेन्द्र कुमार देशभक्त आन्दोलन से अलग हो गये ।

राष्ट्रीय आपदा राहत कार्य

अक्तूबर, 1993 में राजेन्द्र कुमार के संयोजन में भिवानी में आयोजित राष्ट्रीय सद्भावना शिविर के दौरान महाराष्ट्र के लातूर और उष्मानाबाद जिलों में भूकंप की विनाशलीला से भंयकर विनाश हुआ । 06 अक्तूबर 1993 को शिविर समाप्त कर इन्होंने अपने क्षेत्र के 10 गॉवों में अपनी युवा टीम के साथ धूमकर 108 क्विंटल गेहूँ, सतर हजार रूपये नकद, 1300 कम्बल, साड़ी आदि एकत्रित कर लातूर के खिल्लारी लमजाना, गुंलाबखेड़ा गॉवों में जाकर राहत सामग्री वितरित की ।

1999 में उड़िसा चक्रवात के दौरान हुई तबाही से पीड़ितों के लिए इनकी टीम फिर सक्रिय हुई । लेकिन इस बार राहत सामग्री एकत्रित करने के लिए स्वयं गॉव नहीं घूमना पड़ा । गत बीस वर्षों से क्षेत्र में उपस्थिति के कारण भिवानी और महेन्द्रगढ़ जिले के विभिन्न गॉवों से युवा कल्ब, ग्राम पंचायत, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संगठनों ने राहत सामग्री एकत्रित की जिसे लेकर राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पांच स्वयंसेवकों ने उड़ीसा के जगतसिंह जिले के तीन गॉवों में जाकर राहत शिविर आयोजित किये ।

गणतंत्र दिवस पर 2001 की सुबह गुजरात में भूकम्प के रूप में एक ओर प्राकृतिक आपदा ने गुजरातवासियों को भारी तबाही का शिकार बनाया । अब तक इनके नेतृत्व में 25 गाँवों के युवा क्लब, ग्राम पंचायत, शिक्षण संस्थानों को मिलाकर आपदा राहत ग्रुप का गठन किया जा चुका था । एक बिार फिर एक ट्रक राहत सामग्री के साथ राजकोट के मालिया तहसीलके भावपुर बेला, मोटा बेला, दैवगढ़ और मोटा बरार गॉवों में जाकर इनकी स्वयंसेवक टीम ने राहत सामग्री का वितरण किया । 2004 के अन्तिम दिनों में देश के

दक्षिण छोर पर आई सुनामी पीड़ितों के लिए राजेन्द्र कुमार अपने स्वयंसेवक साथियों के साथ एक ट्रक राहत सामग्री लेकर तमिलनाडू के नागाई क्षेत्र में चिन्नाकुटी, चिमनामेडू, पुडथूकूपभ, मेडथाकुप्पम गॉवों में पहुॅचे ।

बिहार में नेपाल की सीमा पर कोशी तट बंध के टूटने से 2008 में पूर्णिया, सुपोल, अरहरिया जिलों में बाढ़ से भंयकर प्राकृतिक आपदा आई । इनकी टीम सितम्बर, 2008 में पूर्णिया जिले में तीन सौ परिवारों के लिए एक ट्रक राहत सामग्री लेकर पहुॅची ।

16 जून, 2013 को उत्तराखण्ड में बाढ़ के रूप में प्राकृतिक आपदा के रूप में बड़ी विनाशलीला झेलनी पड़ी । राहत ग्रुप ने एक ट्रक राहत सामग्री जुटाई और राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सात स्वयंसेवकों ने उत्तरकाशी के बन्दर कोट, मातली, मेवला गॉवों में जाकर राहत शिविर आयोजित किये ।

यद्यपि प्रकृति की विभिल्स लीला के सामने पांच से दस लाख की राहत से पीड़ितों के पुनर्वास का सम्पूर्ण कार्य नहीं होता लेकिन हरियाणा के गॉवों से तमिलनाडू के गॉवों में राहत के लिए युवाओं को पहुॅचना उन्हें अखण्ड तथा महान भारत होने का एक एहसास अवश्य कराता है ।

केरल बाढ़

सितम्बर, 2018 में केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए मालापुरम जिले के गॉवों में 18 से 20 सितम्बर तक राहत शिविर आयोजित कर 14 लाख रूपये की राहत सामग्री वितरित की। केरल बाढ़ राहत अभियान में राष्ट्रीय युवा योजना की केरल ईकाई के सहयोग से ग्रामीण विकास मण्डल के पाँच स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

अन्धता निवारण के विरूद्व युवा

अप्रैल, 1996 में ग्रामीण विकास मण्डल द्वारा चरखी दादरी में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया था । शिविर में एक बुर्जग की आँखों की जांच कर डॉक्टर ने सलाह दी कि आपकी आँखों में सफेदमोतिया है भिवानी जाकर आप्रेशन करवाना चाहिए । वृद्ध यह कहते हुए बहार निकल गया कि मुझे यदि हस्पताल का पता होता तो यहां आने की क्या जरूरत थी । राजेन्द्र कुमार ने वृद्ध की बात सुनकर अपनी सार्थियों के साथ

मिलकर भविष्य में नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित करने का निश्चय किया । अप्रैल 1996 से जिला भिवानी में लगभग हर बड़े गॉव में शिविर आयोजित किये गये हैं । जनवरी 2006 से 2012 तक चरखी दादरी के आर्य समाज मन्दिर में प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को तथा जनवरी, 2009 से महेन्द्रगढ की यादव धर्मशाला में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है । चरखी दादरी शिविर सितम्बर 2012 से कोसली में हर माह के तीसरे रविार को आयोजित किया जाने लगा है ।

1996 से दिसम्बर 2019 तक 564 निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों में चालीस हजार लोगों की जांच तथा 19800 बुजुर्गके सफेदमोतिया के निःशुल्क आप्रेशन करवाये जा चुके हैं । नियमित शिविरों का खर्च अभियान से जुड़े साठ व्यक्ति दो सौ रूपये प्रतिमाह अंशदान से जुटाते हैं । अभी लोग परिवार के बुर्जुगों की पुण्यतिथि तथा बच्चों के जन्मदिन पर शिविर का खर्च वहन करने की परम्परा शुरू कर चुके हैं ।

राष्ट्रीय साईकिल यात्रा

स्वतंत्र भारत की पचासवी वर्षगांठ के अवसर पर 1996 में राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पांच युवाओं की टीम ने 15 अगस्त से 2 अक्तूबर 1996 तक चरखी दादरी से राजघाट तक 9 राज्यों की 4700 किलोमीटर साईकिल यात्रा की । साईकिल यात्रा का मकसद पचास वर्षों की आजादी के बाद किस प्रकार के परिवर्तन हुए और लोगों का क्या सोचना है यह जानना था । साईकिल यात्रा का समस्त खर्च युवा यात्री दल ने स्वयं वहन किया ।